भारतीय जनता पार्टी
राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक
20 मई 2022, जयपुर

– प्रेस वक्तव्य –

चार राज्यों में भाजपा की महाविजय - सफलता का एक और कदम

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, गोवा और मणिपुर विधानसभा चुनावों में भारतीय जनता पार्टी को मिली ऐतिहासिक जीत से एक बार फिर साबित हो गया कि माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की जनता की अगाध व अटूट आस्था है। उनकी नीति, नीयत एवं कार्यों पर जनता को पूर्ण विश्वास है और इस विश्वास को विपक्ष का कोई झूठा दुष्प्रचार तोड़ नहीं सकता। प्रधानमंत्री जी की 'गरीब कल्याण और राष्ट्र प्रथम' की नीति तथा "सबका साथ, सबका विकास" का मूल मंत्र, विपक्ष की नकारात्मक राजनीति पर भारी है। यह नतीजे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा की प्रो-पुअर, प्रो-एक्टिव और रेस्पोंसिव गवर्नेंस पर जनता के विश्वास की मुहर है।

चुनाव परिणाम में सारे मिथक और रिकॉर्ड टूटे:

उत्तर प्रदेश में 1985 के बाद से 37 साल बाद ऐसा हुआ है कि एक सरकार लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सत्ता में आई, वह भी दो-तिहाई बहुमत से। साथ ही पहली बार उत्तर प्रदेश में किसी मुख्यमंत्री ने पूर्ण बहुमत के साथ लगातार दूसरी बार वापसी की है। प्रदेश के 19 जिलों में भाजपा को छोड़ बाकी सभी पार्टियों का खाता भी नहीं खुला।

यूपी में पहली बार लगातार चार चुनाव - 2014 के लोक सभा चुनाव, 2017 के विधान सभा चुनाव, 2019 के लोक सभा चुनाव और अब 2022 के विधान सभा चुनाव के परिणाम में भाजपा को प्रदेश की जनता ने अपना पूरा आशीर्वाद दिया है। इतना ही नहीं, भाजपा का वोट शेयर भी 39% से बढ़ कर 42% हुआ है। समाज के सभी वर्गों का पूरा सहयोग भाजपा को मिला है। किसान आंदोलन से प्रभावित क्षेत्र में भी भाजपा को रिकॉर्ड जीत मिली है। इसका मतलब स्पष्ट है कि देश के किसानों को भी माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार पर ही भरोसा है।

उत्तराखंड राज्य गठन के बाद हर चुनाव में सरकार के बदलने का ट्रेंड रहा है, लेकिन हमने इस बार माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में उत्तराखंड का चुनाव लड़ा और वहां भी सत्ताधारी दल के फिर नहीं जीतने का मिथक रिकॉर्ड बहुमत से तोड़ा। ये सब संभव हुआ है, यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक परिश्रम और गरीब कल्याणकारी सरकार के बल पर। मणिपुर में पहली बार भाजपा ने अपने दम पर जनता के आशीर्वाद से पूर्ण बहुमत प्राप्त किया और लगातार दूसरी बार सरकार बनाई तो गोवा में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनी, वह भी लगभग पूर्ण बहुमत से। उत्तर प्रदेश, गोवा और मणिपुर में भाजपा की सरकार रहने के बावजूद भाजपा के मत प्रतिशत में वृद्धि हुई। सीमा से सटा एक पहाड़ी राज्य (उत्तराखंड), एक समुद्र तटीय राज्य (गोवा), एक मां गंगा का विशेष आशीर्वाद प्राप्त राज्य (उत्तर प्रदेश) और पूर्वोत्तर सीमा पर एक राज्य (मणिपुर) - भाजपा को चारों दिशाओं से आशीर्वाद मिला है। इन राज्यों की चुनौतियां भिन्न हैं लेकिन, एक सूत्र जो उभयनिष्ठ है, वह है – जनता का यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी पर अटूट विश्वास और भाजपा में आस्था।

इसके साथ ही, असम, त्रिपुरा, गुजरात, चंडीगढ़ आदि राज्यों में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भी जनता ने भाजपा को ऐतिहासिक विजयश्री दिलाई। त्रिपुरा स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा को 334 सीटों में से 329 सीटों पर ऐतिहासिक जीत प्राप्त हुई। भाजपा की जीत का प्रतिशत 98.50 रहा। इसी तरह असम के स्थानीय निकाय चुनाव में कुल 977 सीटों में से भाजपा गठबंधन को 807 सीटें मिली। भाजपा गठंबंधन की जीत का प्रतिशत 82.60%

रहा। भाजपा को इस चुनाव मेंअकेले 742 सीटें मिली जबकि हमारे सहयोगी को 65 सीटें मिली। इसी तरह गुजरात में गांधीनगर, थारा, ओखा और भानवड नगर पालिका में भाजपा को एकतरफा जीत मिली। चारों नगर पालिका को मिला कर भाजपा को कुल 128 सीटों में से 103 सीटें मिली और भाजपा की जीत का प्रतिशत 80 से अधिक रहा। गुजरात में स्थानीय निकाय के उप-चुनावों में भी भाजपा ने परचम लहराया है। नगर निगम की तीन सीटों में से 2, जिला परिषद् की 8 में से 5, तहसील परिषद् की 45 से से 28 और नगर पालिका की 45 में से 37 सीटों पर विजय प्राप्त हुआ। इस तरह इन उप-चुनावों में भाजपा को 101 में से 72 सीटें मिली। चंडीगढ़ नगर निगम में भी भाजपा ने वापसी की। दो दिन पहले ही केरल के पंचायत चुनाव में प्रदेश की एकमात्र आदिवासी वार्ड में भी भाजपा को जीत मिली है। यहाँ ध्यान देने वाली बात यह है कि पंचायत से लेकर विधान सभा और संसद तक भाजपा को केवल बहुमत नहीं मिल रहा बल्कि अपार समर्थन मिल रहा है और यह माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के परिवर्तनकारी नेतृत्व और उनके नेतृत्व में भाजपा सरकार की जनता के लिए सेवा एवं समर्पण की नीति का परिणाम है।

प्रो-इनकम्बेंसी:

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के गरीब कल्याण कार्यों व नीतियों एवं सुशासन ने देश के राजनीतिक इतिहास में पहली बार एंटी-इन्कंबेंसी जैसे फैक्टर के स्थान पर 'प्रो-इन्कंबेंसी फैक्टर' तैयार कर दिया। इसीलिए भाजपा के पक्ष में जाति-पाति के बंधनों से बाहर आकर गरीबों, दलितों, पिछड़ों, आदिवासियों, किसानों, युवाओं और महिला मतदाताओं ने खुलकर मतदान किया। शासन, प्रशासन और विकास अब केंद्रीय भूमिका में आने लगा है। योजनाओं की घोषणा के बजाय उन्हें जमीन तक पहुंचाने की कवायद, अब चर्चा में शामिल हो गई है।

बड़े-बड़े दावे करने वाले लोगों की ऐतिहासिक पराजय:

यह भी पहली बार हुआ कि जिस पार्टी ने यूपी में लगभग 40 साल तक शासन किया और देश में आजादी के लगभग 55 वर्ष तक कांग्रेस की सरकार रही, उसकी यूपी में 399 में से 387 सीटों पर जमानत जब्त हो गई। आम आदमी पार्टी ने यूपी में 377 सीटों पर चुनाव लड़ा, हर

सीट पर उसके उम्मीदवार की जमानत जब्त हुई। उत्तराखंड में भी 'आप' की 70 में से 68 सीटों पर जमानत जब्त हो गई। गोवा में आप के साथ-साथ कांग्रेस और तृणमूल कांग्रेस की भी ऐतहासिक पराजय हुई। इसके साथ ही इन चुनावों में तथाकथित राजनीतिक पंडितों के विश्लेषण और एग्जिट पोल्स की भी हार हुई। तमाम एग्जिट पोल्स और तथाकथित राजनीतिक पंडित उत्तराखंड और गोवा में भाजपा की सरकार की विदाई की बात कर रहे थे, लेकिन जनता के निर्णय के आगे सभी के गणित फेल हो गये।

मुश्किल समय में जनता का साथ:

कोरोना के समय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र सरकार और सभी भाजपा शासित राज्य सरकारें, विपक्ष के दुष्प्रचारों पर कोई ध्यान न देते हुए लगातार जनता की सेवा में लगी हुई थी, जबकि पूरा का पूरा विपक्ष क्वारंटाइन हो गया था। प्रधानमंत्री जी के 'सेवा ही संगठन' के आह्वान पर पार्टी कार्यकर्ताओं ने मानवता की सेवा में अपने आप को झोंक दिया। जरूरतमंदों को आर्थिक मदद दी गई, रोजगार उपलब्ध कराया गया, गरीब कल्याण योजना और आत्मनिर्भर भारत की शुरुआत हुई। इसका परिणाम यह हुआ कि जनता को विपक्ष के भ्रामक झूठ पर विश्वास नहीं रहा और विपक्ष की साख भी जनता की नजरों में गिरती चली गई। कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से निपटने के लिए सरकार की ओर से सबको कोरोना की मुफ्त वैक्सीन के साथ ही समुचित इलाज के प्रयत्न भी प्रमुख कारण है, जिसे लोगों ने महसूस किया। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश में आज एक ऐसी सरकार है जिसकी सभी योजनाओं का ध्येय विकास की दौर में पीछे छूट गए समाज के Marginalized Sections का अंत्योदय है।

ऐतिहासिक जीत के प्रमुख कारक:

मोदी जी के संकल्प और कार्यों ने नए भारत के निर्माण के लिए जाति-पंथ की सीमा से परे एक 'लाभार्थी' वर्ग और एक नया 'एम-वाई समीकरण' अर्थात 'महिला व युवा एवं योजना' का समीकरण तैयार कर दिया। उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्वच्छ भारत अभियान, दो साल से देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त में राशन उपलब्ध कराने वाली

गरीब कल्याण अन्न योजना, जन-धन योजना, महिला सेल्फ हेल्प ग्रुप्स, किसान सम्मान निधि, सौभाग्य योजना, जल जीवन मिशन, फसल बीमा योजना जैसे अनेक कार्य ऐसे रहे कि मोदी जी पर जनता का विश्वास बढ़ता ही गया। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड में भाजपा को पारंपरिक मतों के साथ ही 46 प्रतिशत महिलाओं का मत भी मिला। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना की सराहना करते हुए कहा कि इस योजना ने भारत में गरीबी को 1% से कम रखने में बड़ी भूमिका निभाई है। कोरोना संकट के बावजूद देश में अत्यधिक गरीबी को दर 0.8% पर ही स्थिर है जो कि एक बहुत बड़ी उपलब्धि है। साथ ही वर्ल्ड बैंक ने भी कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के अथक प्रयासों के कारण पिछले 8 वर्षों में भारत में लगभग 12.3% से अधिक लोग अत्यधिक गरीबी के दायरे से निकले। मुश्किल समय में भी देश के गाँव, गरीब, किसान, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, पिछड़े, युवा एवं महिलाओं के कल्याण के कटिबद्ध भाव से समर्पित आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का हम अभिनंदन करते हैं।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में निरंतर लहराया भाजपा का परचम

बात केवल इस बार हुए विधानसभा चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक जीत की नहीं है, बल्कि इससे पहले भी यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में पंचायत से लेकर पार्लियामेंट तक देश में हुए हर चुनाव ने भाजपा के लिए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। चाहे वह विधान सभा चुनाव हों, विधान सभा के उप-चुनाव हों या फिर स्थानीय निकाय के चुनाव, हर चुनाव में भाजपा ने जनता का अपार समर्थन प्राप्त किया है।

कोरोना कालखंड के समय से लेकर इस बार के विधान सभा चुनाव से पहले तक बिहार, पश्चिम बंगाल, असम, पुदुच्चेरी, केरल और तमिलनाडु में विधान सभा चुनाव हुए थे। बिहार में जहाँ भाजपा ने सबसे बेहतर स्ट्राइक रेट के साथ 110 सीटों पर चुनाव लड़ते हुए 74 सीटों पर जीत दर्ज की, वहीं भाजपा गठबंधन ने पूर्ण बहुमत के साथ एक बार पुनः सरकार बनाई। पश्चिम बंगाल में भाजपा ने 3 से 77 तक का सफ़र तय किया और मुख्य विपक्षी दल के रूप में अपने आप को स्थापित किया। असम में पुनः भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत से सरकार बनाई। तमिलनाडु में भाजपा ने पहले से काफी बेहतर प्रदर्शन किया है और बूथ स्तर पर

संगठन को खड़ा किया है। इसका लाभ हमें तमिलनाडु के स्थानीय निकाय के चुनाव में भी मिला है जहाँ हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया। केरल में भी हम सही दिशा में जा रहे हैं।

बात करें विधान सभा उप-चुनावों की तो 2020 से देश में लगभग 15 राज्यों में 100 से अधिक सीटों पर उप-चुनाव हुए, उनमें से 60 से अधिक सीटों पर भाजपा ने जीत दर्ज की। भाजपा ने तेलंगाना की दुब्बका और हुजूराबाद में असंभव को संभव कर दिखाया और 200 वोटों से जीत तक का सफ़र तय किया। ये चुनाव परिणाम तेलंगाना की परिवारवाद व तुष्टिकरण की राजनीति पर करारा प्रहार है। गुजरात में हमने गुजरात 8 की 8 विधान-सभा सीटों पर चुनाव जीता। इसी तरह हमने मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, मणिपुर और बिहार में हुए उप-चुनावों में भी जीत दर्ज की।

2020 से देश के अलग-अलग राज्यों में हुए स्थानीय निकाय के चुनावों में भी जनता का भरपूर आशीर्वाद भाजपा को मिला। स्थानीय निकाय के चुनाव कई मायनों में महत्वपूर्ण होते हैं क्योंकि ये जमीनी हकीकत से हमें परिचित कराते हैं। चाहे लद्दाख ऑटोनोमस हिल्स के चुनाव हों, ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन में 1 से 49 सीटों पर जीत का सफ़र हो, जम्मू-कश्मीर के बीडीसी चुनाव में सबसे बड़ी पार्टी के रूप में भाजपा का उभरना हो या फिर राजस्थान के ग्रामीण निकाय चुनाव में भाजपा की जीत का परचम लहराना हो, अरुणाचल प्रदेश के स्थानीय निकाय के चुनाव हों, असम के बीटीसी चुनाव हों, गोवा जिला पंचायत चुनाव हो या फिर गुजरात नगर निगम के चुनाव - हर चुनाव में जनता ने अपना भरपूर आशीर्वाद माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में भाजपा को दिया है।

दुर्गम राजनीतिक क्षेत्रों में भी जिस प्रकार से आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने Front से Lead कर भारतीय जनता पार्टी को अविस्मरमणीय एवं ऐतिहासिक जीत दिलाई है, इसके लिए भाजपा उनका हार्दिक धन्यवाद करती है।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश की राजनीति की दिशा और दृष्टि बदल रही है: यूपी समेत पांच राज्यों के 2022 के विधानसभा चुनाव के परिणामों ने एक बार फिर से

यह बात स्थापित की है, कि भारतीय राजनीति की परंपरागत चुनावी धारा बदल रही है और उसकी जगह एक नई आधुनिक धारा ले रही है। यह धारा जातिवाद, क्षेत्रवाद, संप्रदायवाद, परिवारवाद, पूंजीवाद, बाहुबल, तुष्टिकरण जैसे पुराने राजनैतिक दांव-पेंच से इतर है। यह धारा सुशासन और विकासवाद को साधकर मूल्यों व उसूलों की राजनीति को बढ़ावा देने तथा सबको समान अवसर, सत्तागत सहूलियत व जनसुविधाएं देने की कोशिशों पर आधारित है। भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं के बल पर समाज के सभी जाति व वर्ग की पार्टी बन चुकी है। भारतीय जनता पार्टी को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जैसे कालजयी नेतृत्व पर गर्व है जो देश के गाँव, गरीब, दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित, युवा एवं महिलाओं को विकास की मुख्यधारा में लाने के लिए अहर्निश काम कर रहे हैं।

लोकतंत्र में जनता-जनार्दन का ही आदेश सर्वोपरि होता है। विपक्ष के प्रलोभनों और उनकी गुमराह करने वाली राजनीति को करारा जवाब देते हुए जनता ने उन्हें बरगलाने और भड़काने वाली नीतियों के बावजूद उन नीतियों को चुना जो भारतवर्ष को आगे लेकर जायेगी। जनता ने बार-बार अपने जनादेश से विपक्ष को आईना दिखाया है और उनकी नकारात्मक राजनीति को सिरे से खारिज किया है। जनता विपक्ष के बहकावे में कभी भी आई नहीं। उन्होंने सशक्त, समृद्ध और सुरक्षित भारत के निर्माण के लिए हर हमेशा मतदान किया है। जनता का इस तरह से जागरूक होना किसी भी स्वस्थ एवं जागृत लोकतंत्र के लिए काफी महत्वपूर्ण और जरूरी होता है। उन्होंने अपने जनादेश से यह स्पष्ट कर दिया है कि अब देश में भ्रष्टाचार, जाति, धर्म के नाम पर बरगलाने की राजनीति नहीं हो पाएगी। जो यथार्थ में उनके हित की बात करेगा, उनके लिए कार्य करेगा, वोट उन्हीं को मिलेगा। देश की महान जनता ने लोकतंत्र को मजबूती देते हुए अब खंडित जनादेश को भी तिलांजलि दे दी है। उनके जनादेश ने यह बता दिया है कि अब हर किसी को विकास एवं जन-कल्याण के लिए समर्पित होकर काम करना पड़ेगा और उन्हें अपने कामकाज का रिपोर्ट कार्ड भी देना होगा। भारतीय जनता पार्टी, देश की जनता की ऋणी है। भाजपा उन्हें यह विश्वास दिलाती है कि हम आपके कल्याण के लिए कोई कोर कसर बाकी नहीं रखेंगे, अनवरत आपके लिए सेवा भाव से कटिबद्ध होकर कार्य करते रहेंगे। भाजपा की यह राष्ट्रीय पदाधिकारी बैठक देश की महान जनता का हार्दिक अभिनंदन करती है।